e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJIRSET
International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 12, Issue 2, February 2023

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 8.118

9940 572 462 | 6381 907 438 | ijirset@gmail.com | www.ijirset.com

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

नवीन कृषि तकनीक के प्रति कृषकों में जागरूकता का अध्ययन
(हनुमानगढ़ जिले कि नोहर तहसील के विशेष संदर्भ में)

ध्रुव पूनिया : शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरु (राजस्थान)

डॉ. एम. एम. शेख : सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरु (राजस्थान)

सारांश :

नोहर तहसील में सिंचाई सुविधाओं की पर्याप्त एवं प्रचुर उपलब्धता के कारण तहसील क्षेत्र में कृषि का विकास उतरोत्तर हो रहा है एवं तहसील क्षेत्र में कृषक विभिन्न आधुनिक प्राविधिकी का उपयोग बड़े पैमाने पर कर रहे है ताकि कम से कम समय में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। आधुनिकता की इस दौड़ में कृषक एक और जहाँ विभिन्न रसायनो का उपयोग कर कृषि उत्पादन में वृद्धि कर रहे है वही दूसरी और ऐसा करने से भूमि की उर्वरता शक्ति का ह्रास भी हो रहा है। यद्यपि नोहर तहसील में कृषि में तकनिकी नवाचारों का परीक्षण एवं उपयोग तेज गति से हो रहा है तथापि तहसील के कुछ क्षेत्र ऐसे भी है जहाँ आज भी कृषक परम्परागत कृषि विधियों का उपयोग करते हुए ही फसलोत्पादन कर रहे है। तहसील में कई सीमान्त कृषक आज भी कृषि में तकनिकी प्राविधिकी से पूरी तरह अवगत नहीं है। प्रस्तुत शोध–पत्र में हनुमानगढ़ जिले कि नोहर तहसील में नवीन कृषि तकनीकों के प्रति कृषकों में जागरूकता के स्तर का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

मूल बिंदु : कृषि प्राविधिकी, नवीन तकनीक, जैव–प्रौद्योगिकी, भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |
|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

परिचय :

मनुष्य सदैव ही अपने विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए कृषि स्वरूप में परिवर्तन करता रहा है। कृषि पारस्थितिकी में अनेक कारको का योगदान रहता है। भौतिक कारको की सहायता से मानव कृषि फसलो का उत्पादन करता है तथा भौतिक कारको की कमी को मानवीय कारको द्वारा पूरा किया जाता है। वस्तुतः देखा जाए तो किसी क्षेत्र का कृषि विकास वहां के भौतिक पर्यावरण पर ही निर्भर करता है। क्षेत्र विशेष की भौगोलिक दशाऐं कृषि को एक निश्चित दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। क्षेत्र में अनेक भौतिक कारक अर्न्तसंबंधीत होकर क्षेत्र की कृषि को विशिष्टता प्रदान करते है। जनसंख्या वृद्धि ने खाद्यानो की मांग को एक और जहां बढ़ा दिया है वही दूसरी तरफ मांग के अनुरूप खाद्य आपूर्ति हेतु प्रत्येक वर्ग के कृषकों ने अपने अनुरूप तकनीकी विकास को अपनाया है ताकि कम समय में अधिक कार्य कर सके। नोहर तहसील के संदर्भ में देखा जाए तो ज्ञात होता है की तहसील में एक समय में कृषि हेतु अनुकूल भौगोलिक दशाओं का आभाव पाया जाता था परन्तु क्षेत्र में नहरी तंत्र के आगमन के पश्चात सर्वत्र सिंचाई के साधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध पाए जाते है जिस कारण तहसील में कृषि विकास हेतु भौगोलिक दशाओं का अनुकूलन हुआ है जिसने क्षेत्र में कृषि के स्वरूप को बदल कर रख दिया है। इसी के परिणामस्वरुप आज तहसील में कृषि आधुनिकीकरण का स्तर व तकनीकी विकास तेजी से बढ़ा है।

उद्देश्य :

- नोहर तहसील में कृषकों में आधुनिक कृषि तकनीक के संबंध में जागरूकता का अध्ययन करना।
- कृषकों में रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों के संदर्भ में जागरूकता का अध्ययन करना।
- कृषि विकास के संदर्भ में कृषकों के दृष्टिकोण का विश्लेषण करना।
- नवीन कृषि तकनीक के संदर्भ में जागरूकता के स्तर का विश्लेषण करना।

आंकड़ो का स्त्रोत :

प्रस्तुत शोध पत्र पूर्णतः क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से संग्रहित प्राथमिक आंकड़ों के आधार पर बनाया गया है। शोध पत्र में निहित समस्त आंकड़े शोधार्थी द्वारा नोहर तहसील के विभिन्न गावों में साक्षात्कार लेकर एकत्रित किये गए है एवं उनका विश्लेषण किया गया है तथा इसी आधार पर निष्कर्ष निकाला गया है ।

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

अध्ययन क्षेत्र :

अध्ययन क्षेत्र नोहर तहसील थार के मरूस्थल में राजस्थान राज्य के उत्तरी भाग में हनुमानगढ़ जिले का भाग है। यह तहसील जिले के दक्षिणी पूर्वी भाग पर स्थित है जो अवस्थिति की दृष्टि से जिले की समस्त 07 तहसीलों में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अवस्थिति एवं विस्तार के संदर्भ में देखें तो यह तहसील 29 डिग्री 18 मिनट उत्तरी अक्षांशों से 74 डिग्री 77 मिनट पूर्वी देशान्तरों के मध्य अवस्थित है तथा मानक समुंद्रतल से यहाँ की ऊंचाई 186 मीटर है। यह तहसील जिला मुख्यालय हनुमानगढ़ से 75 किलोमीटर एवं राजधानी जयपुर से 319 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। यह तहसील उत्तर पश्चिम दिशा में जिले की टिब्बी तहसील, पूर्वी दिशा में भादरा तहसील, पश्चिमी दिशा में रावतसर तहसील, दक्षिणी दिशा में चूरू जिले की तारानगर तहसील तथा उत्तरी दिशा में हरियाणा राज्य सिरसा जिले द्वारा पूर्णरूपेण सीमांकित है।

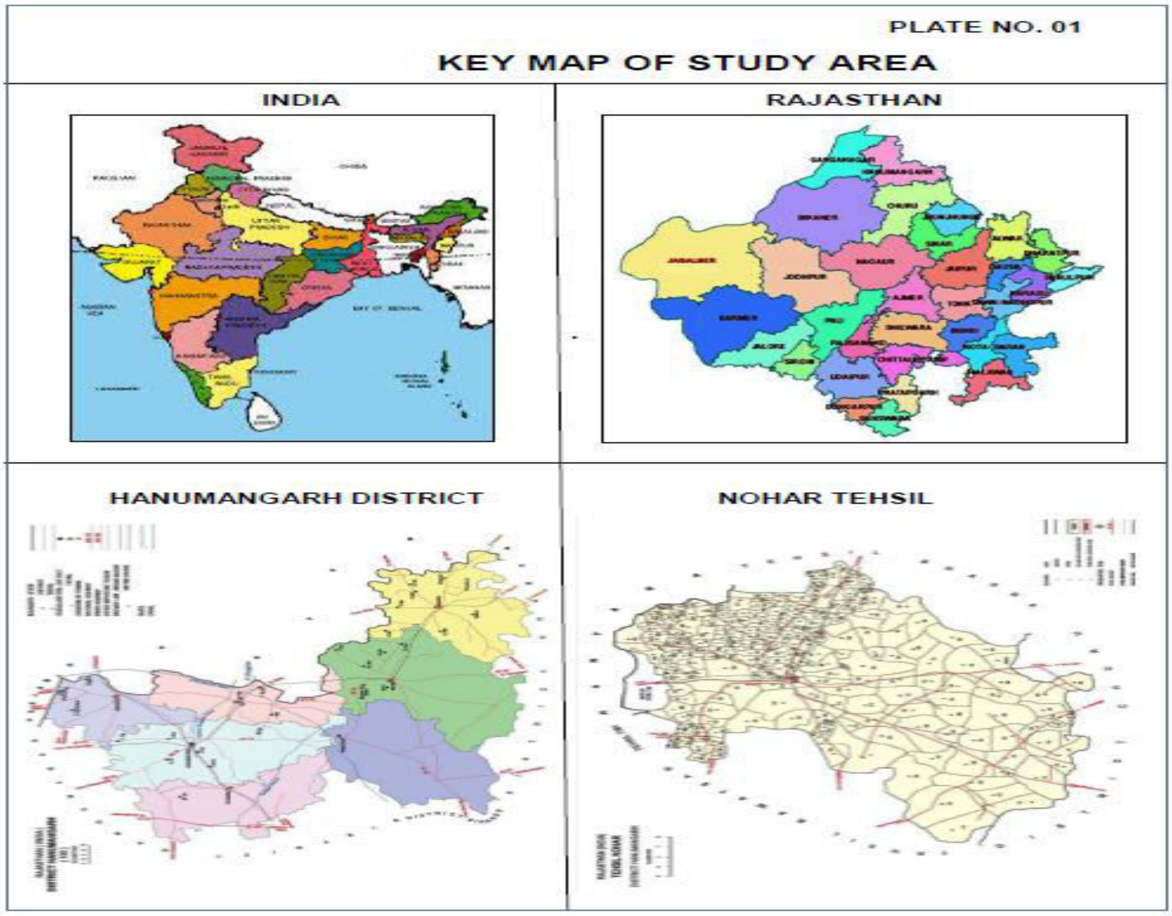

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |
|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

कृषि की आधुनिक तकनीक के संदर्भ में जागरूकता का स्तर :

अध्ययन क्षेत्र नोहर तहसील में कृषकों में कृषि की विभिन्न नवीन एवं आधुनिक तकनीक के संदर्भ में जागरूकता के स्तर का अध्ययन निम्न तालिकाओं के माध्यम से किया गया है–

रासायनिक खाद के दुष्प्रभावों संबंधी जागरूकता :

नोहर तहसील के कृषकों में रासायनिक खाद के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों संबंधी जागरूकता के स्तर को तालिका संख्या 01 में दर्शाया गया है। यद्यपि नोहर तहसील में रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग उच्च स्तर पर हो रहा है फिर भी 91.25 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने रासायनिक खाद का मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है इस तथ्य को स्वीकारा है तथा केवल 7.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस संदर्भ में नहीं कहा है।

तालिका संख्या 01 : रासायनिक खाद के दुष्प्रभावों संबंधी जागरूकता

क्र.सं.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	730	91.25
2	नहीं	60	7.5
3	अनभिज्ञ	10	1.25
कुल		800	100.00

स्त्रोत : क्षेत्र अध्ययन

उत्पादन में नवीन तकनीक का उपयोग :

तहसील में कृषकों में उत्पादन में नवीन तकनीक के उपयोग के स्तर का विवरण तालिका संख्या 02 में दर्शाया गया है। क्षेत्र अध्ययन के दौरान प्राप्त आंकड़ो से स्पष्ट हुआ है की नोहर तहसील में 50 प्रतिशत कृषक उत्पादन हेतु विभिन्न नवीन कृषि तकनीक का उपयोग विगत 05 वर्षों से कर रहे है, जबकि 35 प्रतिशत कृषक इन तकनीक का उपयोग विगत 10 अवर्षों से कर रहे है। क्षेत्र अध्ययन के दौरान 7.5 प्रतिशत कृषक ऐसे पाये गए जो नवीन कृषि तकनीक का उपयोग पिछले 25 वर्षों से कर रहे थे।

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

तालिका संख्या 02 : उत्पादन में नवीन तकनीक का उपयोग

क्र.सं.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	05 वर्ष	400	50
2	10 वर्ष	280	35
3	20 वर्ष	65	8.12
4	25 वर्ष	60	7.5
कुल		800	100.00

स्त्रोत : क्षेत्र अध्ययन

जैव–प्रौद्योगिकी संबंधी जागरूकता :

जैव प्रोद्योगिकी को कृषि का आधुनिक रूप कहा जा सकता है। क्षेत्र अध्ययन के दौरान नोहर तहसील के कृषको में जैव–प्रौद्योगिकी संबंधी जागरूकता के स्तर को तालिका संख्या 03 में दर्शाया गया है। सर्वेक्षण के दौरान केवल 25 प्रतिशत उत्तरदाताओं को जैव प्रौद्योगिकी की जानकारी थी तथा 65 प्रतिशत उत्तरदाताओं को जैव प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी नहीं थी।

तालिका संख्या : 03 जैव–प्रौद्योगिकी संबंधी जागरूकता

क्र.सं.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	200	25
2	नहीं	520	65
3	अनभिज्ञ	80	10
कुल		800	100.00

स्त्रोत : क्षेत्र अध्ययन

सौर ऊर्जा चालित साधनो का प्रयोग :

कृषको के लिए सौर ऊर्जा कृषि कार्य में एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में उपयोग में लाई जा रही है। सौर ऊर्जा चालित साधनो के प्रयोग के स्तर के विवरण को तालिका संख्या 04 में दर्शाया गया है। क्षेत्र अध्ययन के दौरान पाया गया कि 41.5 प्रतिशत कृषक तहसील में सौर ऊर्जा चालित साधनो का प्रयोग कर रहे है जबकि 51.25 प्रतिशत कृषक आज भी परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के माध्यम से ही कृषि कर रहे है एवं 7.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं को सौर ऊर्जा कें बारे में जानकारी नही है।

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

तालिका संख्या 04 : सौर ऊर्जा चालित साधनो का प्रयोग

क्र.सं.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	330	41.5
2.	नहीं	410	51.25
3.	अनभिज्ञ	60	7.5
कुल		800	100

स्त्रोत : क्षेत्र अध्ययन

कृषि संबंधी डिजिटल एप्लीकेशन का उपयोग :

वर्तमान समय में कृषि आधुनिकीकरण का स्तर इतना बढ गया है कि बहुत सी सुविधाओं का उपयोग एवं समस्याओं का समाधान कृषक मोबाईल के माध्यम से प्राप्त कर सकते है। इस हेतु सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की डिजिटल मोबाईल एप्लीकेशन बनाई गयी है। नोहर तहसील में इस प्रकार की डिजिटल एप्लीकेशन के उपयोग का विवरण तालिका संख्या 05 में दर्शाया गया है। क्षेत्र अध्ययन के दौरान केवल 15 प्रतिशत कृषंको ने ही इस प्रकार की डिजिटल एप्लीकेशन का उपयोग करने की बात को स्वीकारा एवं 65 प्रतिशत कृषको ने इस प्रकार की एप्लीकेशन का उपयोग नहीं करने की बात स्वीकारी।

तालिका संख्या 05 : कृषि संबंधी डिजिटल एप्लीकेशन का उपयोग

क्र.सं.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	120	**15**
2	नहीं	520	**65**
3	अनभिज्ञ	160	**20**
कुल		**800**	**100.00**

स्त्रोत : क्षेत्र अध्ययन

नवीन कृषि नीति संबंधी जागरूकता :

देश में सरकार द्वारा कृषको के हितार्थ नवीन कृषि नीति को लागु किया गया है ताकी कृषक वर्ग लाभान्वित हो सके। इस प्रकार की नवीन कृषि नीतियों के सन्दर्भ में नोहर तहसील में कृषको के मध्य जागरूकता के स्तर को तालिका संख्या 06 में दर्शाया गया है। क्षेत्र अध्ययन के दौरान 57.5 प्रतिशत कृषको को सरकार द्वारा

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

लागु नवीन कृषि नीतियों की जानकारी नहीं पायी गयी एवं 27.5 प्रतिशत कृषक ऐसे पाये गए जिन्हें इन नवीन कृषि नीतियों के बारे में जानकारी थी।

तालिका संख्या 06 : नवीन कृषि नीति संबंधी जागरूकता

क्र.सं.	विवरण	जानकारी	प्रतिशत
1.	हाँ	220	27.5
2.	नहीं	460	57.5
3.	अनभिज्ञ	120	15
कुल		800	100

स्त्रोत : क्षेत्र अध्ययन

भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी संबंधी जागरूकता :

भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी आधुनिक कृषि का एक महत्वपूर्ण स्वरूप है जिसका उपयोग कर कृषक उन्नत कृषि कर उत्पादन में वृद्धि कर सकते है। नोहर तहसील के कृषको में भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी संबंधी जागरूकता के स्तर को तालिका संख्या 07 में विश्लेषित किया गया है। क्षेत्र अध्ययन के दौरान केवल 10 प्रतिशत कृषको को भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी थी। जबकि इस बारे में जानकारी नहीं रखने वाले कृषको का प्रतिशत 75 था।

तालिका संख्या 07 : भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी संबंधी जागरूकता

क्र.सं.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	80	10
2	नहीं	600	75
3	अनभिज्ञ	120	15
कुल		800	100.00

स्त्रोत : क्षेत्र अध्ययन

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |
|| Volume 12, Issue 2, February 2023 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1202102 |

निष्कर्ष :

शोधार्थी द्वारा नोहर तहसील में क्षेत्र अध्ययन के दौरान प्राप्त आंकड़ो एवं उनके विश्लेषण के पश्चात् निष्कर्ष के आधार पर यह कहा जा सकता है कि यद्यपि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार एवं उन्नत कृषि तकनीको के उपयोग के फलस्वरूप नोहर तहसील में कृषि आधुनिकीकरण को बढावा मिला है। परंतु क्षेत्र अध्ययन के दौरान यह भी पाया गया है कि तहसील में कृषको का एक वर्ग ऐसा भी है जिन्हें आज भी कृषि की उन्नत तकनीको एवं सरकार द्वारा चलाये जाने वाली कृषि योजनाओं की जानकरी नहीं है। यह स्थिती तहसील में स्थित पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य रूप से पायी गयी है।

References:

1. Jain, Chandra Kumar (1983). Patters of Agricultural Development in Madhya Pradesh. A Geographical Analysis, Unpublished. Ph.D. Thesis, Dr. Hari Singh Gour Vishwavldya lay Sagar (M.P.) P-151.
2. Sharma, K.K. (1972) : Rajasthan District Gazetteer, Jaipur. District Gazetteer of Rajasthan.
3. Singhvi Snehlata (2002) Water Management: The problem of water logging and soil salinization in IGNP areei: A Geographical analysis Ph.D. thesis submitted to M.D.S. University of Ajmer, Ajmer.
4. Swami, S.K. (2002) "Ecological changes in Ganganagar District." A Geographical Appraisal. Ph.D. thesis submitted to the M.D.S. University of Ajmer, Ajmer.
5. Mugal M.K..(2019) "Changing Agriculture Pattern Due to Agriculture Modernization and its Environmental and Ecological Impact : A Case Study of Sri Ganganagar District" A Thesis submitted to MGS University, Bikaner
6. Block Statistical Abstract, Nohar Block-2020

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor: 8.118

doi crossref

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर
NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com